हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 6 अप्रैल 2026

11 दान करने से मनुष्य को पुण्य की प्राप्ति होती है : शंकर

12 किसानों पर आफत, बेमौसम बारिश से कटाई...

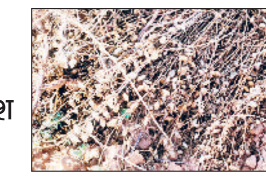

घरेलू गैस के दुरुपयोग पर एक माह में जिले में 179 सिलेंडर जब्त

अवैध गैस रिफिलिंग व कालाबाजारी पर प्रदेश में सबसे अधिक छापेमारी, डीसी बोले, आपूर्ति अब पूरी तरह से सामान्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला प्रशासन ने रसोई गैस की कालाबाजारी और व्यावसायिक स्थानों पर घरेलू सिलेंडरों के दुरुपयोग को रोकने के लिए एक माह में प्रदेश में सबसे अधिक कार्रवाई की हैं। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पिछले एक माह के दौरान जिला प्रशासन की ओर से की गई मुस्तैदी का ही परिणाम है कि पूरे हरियाणा में महेंद्रगढ़ जिला कार्रवाई के मामले में शीर्ष पर रहा है। उन्होंने बताया कि इस सख्त अभियान की वजह से जिले में एलपीजी की सप्लाई अब बिल्कुल सामान्य हो गई है और उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

उपायुक्त ने बताया कि खाद्य एवं पूर्ति विभाग की छह विशेष टीमों द्वारा नारनौल, महेंद्रगढ़, सतनाली, कनीना, अटेली व नांगल चौधरी के शहरी क्षेत्रों में स्थित ढाबों और दुकानों पर सघन छापेमारी की गई। अब तक कुल 41 स्थानों पर दी गई दबिश में विभाग ने 179 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। उन्होंने बताया कि यह चेकिंग अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा, ताकि पात्र उपभोक्ताओं के हक पर डाका डालने वालों पर नकेल कसी जा सके। वर्तमान में जिले की 21 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन 4000 से 5000 सिलेंडरों की डिलीवरी सुचारू रूप से की जा रही है और प्रशासन के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इस संबंध में सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी अरुण सैनी ने बताया कि आमजन की सुविधा और कालाबाजारी की सूचना देने के लिए विभाग की ओर से हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं।

ये उपभोक्ता लगवा सकते हैं पीएनजी कनेक्शन

सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी अरुण सैनी ने बताया कि पीएनजी कनेक्शन नारनौल के विभिन्न क्षेत्रों जैसे हुडा, एम्प्लॉई कॉलोनी, मालवीय नगर और रेवाड़ी रोड सहित कई इलाकों में अडानी गैस की पाइप लाइन चालू हो चुकी है। उन्होंने बताया कि पीएनजी न केवल सुरक्षित है, बल्कि एलपीजी की तुलना में अधिक सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल भी है।

नए पीएनजी कनेक्शन के लिए हैं तीन तरह की योजनाएं

अडानी गैस की ओर से उपभोक्ताओं के लिए तीन आसान योजनाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिनमें पंजीकरण शुल्क मात्र 301 रुपये से शुरू है।

योजना-1: पंजीकरण शुल्क 301। सुरक्षा जमा राशि (6000) को 30 आसान किस्तों में देने की सुविधा, साथ ही 500 की मुफ्त गैस का लाभ।

योजना-2: पंजीकरण शुल्क 301 और 75 मासिक किराये का विकल्प। मात्र एक रुपये में गीजर पॉइंट की सुविधा।

योजना-3: 6301 का एकमुश्त भुगतान कर तुरंत कनेक्शन और एक रुपये के नाममात्र शुल्क पर गीजर पॉइंट की सुविधा।

आवेदन कैसे करें: उपभोक्ता माई अडानी गैस ऐप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सहायता के लिए कस्टमर केयर नंबर 07969221100 या 07947545252 पर संपर्क किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

यादव कल्याण सभा की बैठक कल

नारनौल। यादव कल्याण सभा की सामान्य बैठक सात अप्रैल को प्रातः 12 बजे आयोजित की जाएगी। जिसकी अध्यक्षता सभा के प्रधान एवं विधायक ओमप्रकाश यादव करेंगे। यह जानकारी देते हुए सभा के सचिव मेजर कंवर सिंह यादव ने बताया कि बैठक में यादव धर्मशाला एवं समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। मेजर कंवर सिंह यादव ने सभी सदस्यों से अपील की है कि वे बैठक में उपस्थित होकर यादव समाज के कल्याण व उत्कृष्ट कार्यों के लिए अपने सुझाव दें, ताकि सामूहिक रूप से समाज के हित में निर्णय लिए जा सकें।

अजीत सिंह निर्विरोध चुने गए प्रधान

नारनौल। न्यू सब्जी मंडी आढ़ती एसोसिएशन के चुनाव 12 अप्रैल को होने थे। जिसके लिए नामांकन पत्र जमा करवाने के लिए चार अप्रैल का समय दिया गया था। इस दौरान दो आवेदन आए। जिसमें प्रधान पद के लिए अजीत सिंह तथा सचिव पद के लिए रोशनलाल सैनी का नामांकन शामिल है। यह आवेदन चुनाव अधिकारी कृष्ण कुमार सैनी एडवोकेट व उप चुनाव अधिकारी सुभाष चंद्र सैनी एडवोकेट, सतीश पवार एडवोकेट पर्यवेक्षक की मौजूदगी में प्राप्त किए गए। प्रधान व सचिव पद के लिए एक ही आवेदन आने पर इन्हें निर्विरोध चुन लिया गया।

मारोली गांव में दंगल आज

नारनौल। मारोली गांव में छह अप्रैल को दंगल का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जोहड़े वाले बालाजी का मेला और कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। जोहड़ वाले बालाजी के नाम पर गांव को जौहर बाली के नाम से जाना जाता है।

जगह-जगह हो रहे गड्ढों से लोग परेशान

ब्रह्मचारी सड़क की हालत जर्जर हिचकोले खा रहे लोग, कई चोटिल

- इस सड़क पर तीन हजार से अधिक लोग करते है आवागमन, स्टेट हाइवे जाने के लिए यह सबसे छोटा मार्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शहर में ब्रह्मचारी रोड जर्जर अवस्था में है। इस सड़क मार्ग पर सड़क कम रोडे अधिक दिखाई देते हैं। जगह-जगह गड्ढे होने के कारण मोहल्लावासी व राहगीर परेशान हैं। इस 300 मीटर जर्जर मार्ग से तीन हजार से अधिक लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं। यह मार्ग स्टेट हाईवे 148 बी का शहर से सबसे सुगम मार्ग है।

महिला कॉलेज, राजकीय महाविद्यालय, लघु सचिवालय सहित निजी स्कूल एवं बड़े शोरूम होने के कारण दिनभर भीड़भाड़ रहती है। बारिश के कारण गड्ढों में पानी भर जाता है।

इस टूटे सड़क मार्ग के कारण वाहन कबाड़ बन जाते है। 11 वर्ष पहले बने ब्रह्मचारी सड़क मार्ग टूटा होने के कारण अनेक लोग घायल हो चुके है। जिसके कारण शहरवासियों और राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर पालिका द्वारा देवीलाल कॉलोनी से सतनाली चौक तक यह सड़क मार्ग बना दिया गया था, लेकिन ब्रह्मचारी रोड बदहाल अवस्था में है। जब यह से वाहन गुजरते है तब रोड़ियां उड़कर दुकानों में घुस जाती है। इस सड़क मार्ग को शीघ्र बनवाया जाए, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

महेंद्रगढ़। जर्जर अवस्था में सड़क। फोटो : हरिभूमि

मार्ग पर हैं कई दुकानें

इस मार्ग पर मंदिर, अस्पताल, दुकानें स्थित है। लोग लघु सचिवालय जाने के लिए इसी मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा लोग सब्जी मंडी व शहर का प्रमुख 11 हट्टा बाजार जाने के लिए इसी रोड से होकर गुजरते हैं। स्कूली विद्यार्थी व कॉलेज की छात्राएं महाविद्यालय में इसी रास्ते से जाते हैं। यह छोटा व आसान रास्ता भी है। आसपास के ग्रामीण भी इसी रास्ते से आते है। लेकिन काफी वर्षों से यह रोड टूटा हुआ है। लोगों ने प्रशासन से इस रोड का जल्द निर्माण करने की मांग उठाई हैं।

शहरवासियों को परेशानी

शहर निवासी अंकित, राजेश, दिनेश, प्रदीप, छोटेलाल आदि ने कहा कि टूटा रोड होने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। अनेक बार तो बाइक चालक गड्ढों में गिरकर चोटिल हो जाते है। जिसके कारण लोगों इस सड़क मार्ग से आन-जाने में परेशानी हो रही है। यह सड़क मार्ग बस स्टैंड के लिए सबसे छोटा सड़क मार्ग है। जब यहां से साधन गुजरते है तो तो टूटे सड़क मार्ग से काफी धूल उड़ती है। जिसके कारण आसपास के दुकानदारों को परेशानी हो रही है। यह सड़क काफी जर्जर अवस्था में हो चुका है। इस और काई ध्यान नहीं दे रहा है यह सड़क मार्ग 11 वर्ष पहले बनाया गया था। अब यह सड़क मार्ग काफी बदहाल पड़ा हुआ है। लेकिन नपा इस और ध्यान नहीं दे रही है। नपा प्रशासन को चाहिए कि इस सड़क मार्ग को शीघ्र बनवाया जाए, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो।

ब्रह्मचारी सड़क मार्ग का 300 मीटर का बजट पास

ब्रह्मचारी सड़क मार्ग का 300 मीटर का बजट पास हो चुका है। इस सड़क मार्ग का टेंडर ओपन कर दिया गया है। शीघ्र ही कार्य शुरू करवा दिया जाएगा।

-रमेश सैनी प्रधान, नगर पालिका महेंद्रगढ़

मीडिया ने गंभीरता से उठाया मुद्दा

78 करोड़ का बिजली बिल ठीक करके किया महज 954 रुपये

बिल में सुधार होने के बाद परिवार ने ली राहत की सांस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पुनीत बुलान की मां के नाम आया 78 करोड़ रुपये से अधिक का बिजली बिल आखिरकार बिजली निगम ने ठीक कर दिया है। अब यह बिल घटकर मात्र 954 रुपये रह गया है। बिल में सुधार होने के बाद परिवार ने राहत की सांस ली है।

जानकारी के अनुसार गांव हसनपुर निवासी बीमला देवी, जो यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष पुनीत बुलान की मां हैं, के नाम दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम की ओर से 78 करोड़ 92 लाख रुपये का बिजली बिल जारी कर दिया गया था। बिल का मैसेज पुनीत बुलान के मोबाइल फोन पर आया। इतना बड़ा बिल देखकर वे हैरान रह गए और तुरंत इस मामले को उठाया। इस चौंकाने वाले बिल को हरिभूमि ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। निगम के अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया और बिल की जांच शुरू की। जांच में तकनीकी त्रुटि सामने आने पर बिल को दुरुस्त कर दिया गया। अब संशोधित बिल केवल 954 रुपये का रह गया है। पुनीत बुलान ने बताया कि इस मुद्दे को मीडिया ने गंभीरता से उठाया, जिसके बाद बिजली निगम को अपनी गलती सुधारनी पड़ी।

हरिभूमि इंपैक्ट

राव तुलाराम अस्पताल के ओपीडी व रेडियोलॉजी विभाग का आज उद्घाटन

नारनौल। महर्षि च्यवन ऋषि मेडिकल कॉलेज के अंदर राव तुलाराम अस्पताल के ओपीडी व रेडियोलॉजी विभाग का छह अप्रैल को उद्घाटन होगा। यह उद्घाटन प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव दोपहर दो बजे करेंगी। इससे पहले नांगल चौधरी हलका के गांव बलावा में कार्यकर्ता पवन के आवास पर सुबह साढ़े नौ बजे चाय पर चर्चा का कार्यक्रम में जाएंगी। इसके बाद सुबह साढ़े 10 बजे गांव भोजावास में कार्यकर्ता मिंटू के आवास पर चाय की चर्चा में हिस्सा लेगी। वहां से साढ़े 11 बजे नांगल चौधरी स्थित श्रीराम स्कूल में अनिल यादव के आवास पर चाय पर चर्चा कार्यक्रम में हिस्सा लेगी।

कोथल कलां के पास सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत

- पुलिस ने आरोपित बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव कोथल कलां के पास सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। साथ ही पुलिस ने आरोपित बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शहर के मोहल्ला चौक के लाला वाला कुआं निवासी नरेश कुमार ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह शाम के लगभग सात बजे महेंद्रगढ़ से कोथल कलां अपनी स्कूटी से जा रहा था। जब वह नवज्ञान स्कूल से आगे कोथल कलां की तरफ निकला तो उसके आगे आगे एक सफेद रंग की स्कूटी पर एक लड़का जा रहा था, तभी पीछे से एक बाइक का चालक अपनी बाइक को बहुत ही तेज गति, गफलत लापरवाही से चलता हुआ आया और उसके देखते-देखते आगे चल रही सफेद स्कूटी को पीछे से टक्कर मारी, जिससे स्कूटी चालक अपनी स्कूटी सहित रोड पर गिर गया और वह बेहोश हो गया और उसकी जेब में आईडी देखी तो उसमें उसका नाम अजय शर्मा पुत्र सत्यनारायण शर्मा निवासी कोथल खुर्द लिखा हुआ था। इसके बाद मोटरसाइकिल चालक आसपास के लोगों को देखकर अपनी बाइक सहित मौके से भाग गया। मौके पर खड़े एक व्यक्ति ने डायल 112 पर पुलिस को बुला दिया।

सड़क हादसे में महिला की जान गई

नारनौल। सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। मृतका की उम्र करीब 50 साल थी। सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। गांव कोजिंदा की रहने वाली करीब 50 वर्षीय मंजू देवी शहर के शांति अस्पताल में काम करती थी। उसकी अस्पताल में नाइड ड्यूटी थी। सुबह वह अस्पताल के स्टाफ के साथ ही नाइड ड्यूटी कर अपने घर गांव कोजिंदा बाइक पर सवार होकर आ रही थी। गांव कोजिंदा से करीब एक किलोमीटर पहले कडियावाला मंदिर के पास ब्रेकर पर बाइक स्लीप हो गई। जिससे मंजू देवी बाइक से सड़क पर गिर गई। इस हादसे में मंजू देवी के सिर पर काफी चोट आई। नागरिक अस्पताल में डाक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। मंजू देवी के पति की कैंसर से करीब एक साल पहले मौत हो चुकी। वहीं उसके दो लड़के व एक लड़की है। लड़की की शादी हो चुकी है, जबकि दोनों लड़के मंदबुद्धी बताए जा रहे हैं।

पेट्रोल पंप पर हुए विवाद के बाद दो भाइयों पर सर्जिकल ब्लेड से हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

अटेली थाना क्षेत्र के गांव सिलारपुर में पेट्रोल पंप पर हुए विवाद के बाद एक युवक ने दो भाइयों पर सर्जिकल ब्लेड से हमला कर दिया। जिसमें दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें पहले सीएचसी अटेली व बाद में नारनौल के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में जितेंद्र निवासी सिलारपुर ने बताया कि बीती रात करीब 10 बजे उसका भाई सोनूपाल अपनी मोटरसाइकिल में तेल डलवाने के लिए फिलिंग स्टेशन सिलारपुर गया था। इसी दौरान गांव का सचिन पुत्र बस्तीराम वहां पहुंचा और उसके भाई के साथ गाली-गलौच करने लगा। विरोध करने पर सचिन ने डंडे से सोनूपाल के सिर पर वार कर दिया, जिससे वह जमीन पर गिर गया।

पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की

इसके बाद आरोपित ने सर्जिकल ब्लेड से सोनूपाल के सिर, चेहरे और गर्दन पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे 25 से 30 टांके लगे। घायल सोनूपाल ने फोन कर अपने भाई जितेंद्र को घटना की सूचना दी। जितेंद्र अपने चाचा सुबेसिंह के साथ मौके पर पहुंचा और भाई को संभालने लगा। आरोप है कि तभी सचिन ने पीछे से आकर जितेंद्र के सिर व हाथ पर भी ब्लेड से वार कर दिए, जिससे वह भी घायल हो गया।

नारनौल। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह को पगड़ी पहनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

धानक समाज ने सांसद से की धर्मशाला एवं छात्रावास बनवाने की मांग

नारनौल। धानक समाज के प्रतिनिधि मण्डल ने वरिष्ठ भाजपा नेता मोहनलाल कौथल की अगुवाई में सांसद चौधरी धर्मबीर से उनके भिवानी स्थित कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सांसद को एक ज्ञापन सौंपा तथा उनसे समाज की प्रस्तावित धर्मशाला व भीमराव अंबेडकर छात्रावास का निर्माण कराने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल ने सांसद को बताया कि भाजपा सरकार द्वारा बस स्टैंड महेंद्रगढ़ के समीप 600 वर्ग गज भूमि आवंटित की गई है, जिसका पहले ही वर्ष 2019 में पंजीकरण हो चुका है। अब काफी समय हो चुका है और समारोह के दौरान उन्होंने तथा प्रदेश के सरकारी मंत्रियों ने धर्मशाला एवं छात्रावास बनवाने का भरोसा देते हुए सरकारी ग्रांट जारी करने का आश्वासन दिया था। इस पर सांसद चौधर धर्मबीर सिंह ने बताया कि स्थापित सरकारी मापदंडों के तहत लोकल बॉडीज द्वारा ही निर्माण कार्य करवाया जाएगा। इस मौके पर उपस्थित समाज के महानुभावों ने सांसद का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया और सरकारी मापदंड की परिधि में अविलम्ब निर्माण कार्य आरम्भ करने की प्रार्थना की।

रॉन्ग साइड चलने की वजह से व्यक्ति की मौत

महेंद्रगढ़। गांव बुचावास टोल के पास एक बाइक चालक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के बेटे मनीष ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह गांव छाजियावास का निवासी है। मध्य रात्रि करीब एक बजे उसके पिता रामौतार घर से बिना बताए अपनी बाइक पर चला गया था। पांच अप्रैल को करीब 11:30 बजे डायल 112 को फोन आया कि उसका पिता का 152–डी पर करीब दो किलोमीटर नजदीक बुचावास टोल पर एक्सीडेंट हो गया है और एंबुलेंस में सरकारी अस्पताल महेंद्रगढ़ ले जाया गया है। उसने अपने तौर पर तसल्ली कर ली है कि यह एक्सीडेंट पिता की रॉन्ग साइड चलने की वजह से हुआ है। हम किसी के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करवाना चाहते हैं। पिता का पोस्टमार्टम करवा दाह संस्कार के लिए बॉडी दी जाए। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

सीवर पानी भराव व गड्ढों से हादसों का खतरा होगा कम

सीआईए रोड पर बने रेलवे अंडरपास की मरम्मत शुरू

- इन गड्ढों में गिरने से गत दिनों बाइक पर बेटे के साथ बैठी महिला की हो गई थी मौत, अब मिल सकेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सीआइए रोड स्थित रेलवे अंडरपास में लंबे समय से बनी समस्या पर आखिरकार कार्रवाई शुरू हो गई है। दैनिक हरिभूमि द्वारा इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाने के बाद रेलवे प्रशासन हरकत में आया है और अंडरपास की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। यहां सीवर का गंदा पानी लगातार रिसकर भर जाता था, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

गौर हो कि अंडरपास के दोनों ओर बने गड्ढे इस समस्या को और गंभीर बना रहे थे। पानी भर जाने के कारण ये गड्ढे दिखाई नहीं देते थे, जिससे खासकर दुपहिया वाहन चालक अक्सर हादसों का शिकार हो जाते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, इन गड्ढों में गिरने से पहले भी कई लोग चोटिल हो चुके हैं, जबकि एक महिला की मौत तक हो चुकी है। इसके बावजूद लंबे समय तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया था।

हरिभूमि में खबर प्रकाशित होने के बाद रेलवे प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और तुरंत मरम्मत कार्य शुरू कराया। फिलहाल गड्ढों को भरने का काम किया जा रहा है, साथ ही उन पर लोहे की जाली लगाने की भी तैयारी है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके। हालांकि, रेलवे प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती चोरी की घटनाएं भी बनी हुई हैं। अधिकारियों के अनुसार, अंडरपास में जल निकासी के लिए लगाई गई मोटर और लोहे की जालियां बार-बार चोरी हो जाती हैं। करीब 15 दिन पहले ही यहां से मोटर और जाली चोरी कर ली गई थी, जिस कारण पानी निकासी की व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई थी और अंडरपास में गंदा पानी भरने लगा था। रेलवे विभाग का कहना है कि अब नई मोटर लगाने और जाली को मजबूत तरीके से स्थापित की जा रही है, ताकि यहां से दोपहिया वाहनों की आवाजाही सुगम एवं सुरक्षित बनाई जा सके। यह मरम्मत कार्य शुरू होने से लोगों ने राहत की सांस ली है। उनका कहना है कि यदि समय रहते यह कदम नहीं उठाया जाता, तो और बड़े हादसे हो सकते थे। अब उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही अंडरपास पूरी तरह से सुरक्षित और सुचारू हो जाएगा, जिससे आमजन को बड़ी राहत मिलेगी।

नारनौल। अंडरपास में बने गड्ढे की मरम्मत करते रेलवे कर्मी। फोटो : हरिभूमि

अंडरपास में बने गड्ढों और पानी से हर दिन हादसों का डर

सीआईए रोड अंडरपास बना 'खतरे का रास्ता', जलभराव से नहीं मिला छुटकारा

नारनौल। हरिभूमि में प्रमुखता से प्रकाशित खबर।

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

- स्वामी विवेकानंद

कहानी

अर्चना कोचर

विश्वास की कसौटी

सुबह-सुबह दरवाजे पर लगातार बजती घंटी से झुंझलाकर रुचिका ने गुस्से में दरवाजा खोला। सामने आधे फटे मैले-कुचैले कपड़ों में जवान लड़की खड़ी थी। चेहरा उतरा हुआ, होंठ फटे तथा आंखों में दहशत थी। वह लड़की उसे टुकुर-टुकुर देखने लगी। रुचिका माथे पर भौहें चढ़ाकर बोली-"अरी! बोलो क्या कहना है.. क्यों सुबह-सुबह टाइम खोटी कर रही हो..?" वह लड़खड़ाती जुबान में बोली -"मैं.. नि..धी.., घर..फोन, किराया.. पैसे..।' तभी साथ वाले पड़ोसी के जवान बेटे अभय और अभिनव को आते देखकर वह ऐसे ठिठकी, जैसे उसे सौ वोल्टेज का झटका लगा हो और खुद में सिमटने की कोशिश करने लगी। भय के मारे उसका चेहरा पीला पड़ गया। रुचिका के करीब आने के लिए वह दो कदम और आगे बढ़ी-जैसे कुछ कहना चाहती हो, पर शब्द गले में अटक गए हो। होंठ हिल रहे थे, पर जुबान साथ नहीं दे रही थी। उसकी आंखों और कांपते हाथों के इशारों में मदद की एक मूक पुकार थी। सुबह-सुबह एक तो पूरे घर को व्यवस्थित करके दफ्तर जाने की जल्दी, ऊपर से जवान लड़की को भीख मांगते देखकर रुचिका स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पाई और क्रोधाग्नि में जलते हुए -"सुबह-सुबह भीख मांगना शुरू कर देते हो। कुछ तो शर्म करो.., भरी जवानी में दो वक्त की रोटी भी कमाकर नहीं खा सकती हो.. और उसे अनदेखा करके फटाक से गेट बंद कर दिया।" और वह मन-ही-मन बड़बड़ाते हुए–"इन भोली-भाली शक्लों के पीछे शैतानी दिमाग के बड़े-बड़े षड्यंत्र चलते हैं।"

सुबह-सुबह एक तो पूरे घर को व्यवस्थित करके दफ्तर जाने की जल्दी, ऊपर से जवान लड़की को भीख मांगते देखकर रुचिका स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पाई और क्रोधाग्नि में जलते हुए -"सुबह-सुबह भीख मांगना शुरू कर देते हो। कुछ तो शर्म करो.., भरी जवानी में दो वक्त की रोटी भी कमाकर नहीं खा सकती हो...

फिर पति मुकेश की तरह मुखातिब होते हुए -"अभिनव और अभय दोनों पुलिस और सीआईडी में है। उन्हें देखकर उस लड़की ने ऐसी प्रतिक्रिया दी जैसे चोरी पकड़े जाने पर गुनाह से मुकर रही हो।" मुकेश-"यह अकेले काम नहीं करती हैं। इनके पीछे इनका पूरा गैंग होता है। इनका ज्यादातर काम इशारों से ही चलता है।" आजकल ठगों के भी नए-नए तरीके हो गए हैं। मदद मांगने के बहाने घर के अंदर घुस आते हैं ।" रुचिका ने सिर हिलाया, लेकिन कहीं भीतर असली और नकली में एक द्वंद्व छिड़ गया-"क्या वाकई वह ठग थी..?" दो घंटे बाद कार से दफ्तर जाते हुए सड़क किनारे लगी भीड़ को देखकर रुचिका ने गाड़ी रोककर ऊंची-ऊंची आवाज में-"क्या हुआ..क्या हुआ..का शोर मचाकर सबका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने लगी।' पास खड़े दुकानदार ने कहा -"सुबह से कोई लड़की गली में मदद की आस में इधर-उधर घूम रही थी, किसी से कुछ मांग रही थी। पर, कोई ध्यान नहीं दे रहा था। थोड़ी देर पहले यहीं गिर पड़ी।" वह फटाफट गाड़ी से उतरी और भीड़ के बीच सड़क पर उसी लड़की को बेहोश देखकर हैरानी से-"अरे! क्या हुआ इसे। दो घंटे पहले तो ठीक-ठाक थी। मेरे दरवाज़े पर भी आई थी, मदद मांग रही थी..। ठीक से बोल नहीं पा रही थी । शायद अपना नाम निधि बता रही थी, फोन और पैसे मांग रही थी। हो सकता है घर पर फोन करना चाह रही हो या घर जाने के लिए किराए के पैसे मांगने आई हो।" अब सुबह-सुबह सभी अपनी-अपनी दिनचर्या की आपा-धापी में व्यस्त होते हैं। इस बेचारी की मजबूरी कोई समझ नहीं पाया।" उस पर पानी के छींटें मारकर उसे होश में लाने की काफी कोशिश की गई, उसकी धड़कने धड़क रही थी, पर शरीर हरकत नहीं कर रहा था। रुचिका दफ्तर जाना भूल गई। दो-चार जवानों की मदद से उसे अपनी कार में डालकर फटाफट अस्पताल ले गई। उसके मन में आत्मग्लानी का बोध था-"उस बेचारी की जुबान में कंपन थी, हलक भी सूख रहा था। उसने इशारों में अपनी बात समझाने की कितनी कोशिश की थी-उस समय इसे दो घूंट पानी ही पिला देती।" काश! सुबह इसकी समय पर मदद कर दी होती। अंतर्द्वंद्व की ऊहापोह में उलझी–अब यह रुचिका क्या करती–रोज़ नए रूपों में होने वाले धोखे और ठगी की वारदातों ने तो जरूरतमंदों की मदद पर से भरोसा ही खत्म कर दिया है। अब इस मासूम निधि की सच्ची पुकार भी शक के घेरे में आ गई। तेरे मन के पेंडुलम में झूलती इस शक की सुई ने दांव पर लगा दी ना एक मासूम ज़िंदगी। रुचिका की बढ़-चढ़कर निधि की मदद के कारण पीजीआई के डॉ विपुल शाह ने -"क्या हुआ इसे...?"

रुचिका- "डॉ. साहब, पता नहीं, सड़क के किनारे बेहोश मिली है।" डॉ विपुल शाह-"फिर तो पुलिस केस बनेगा। क्या यह आपकी पहचान में है?"

रुचिका - "नहीं, फिर भावुक होते हुए - डॉ. साहब, आप पुलिस को सूचित कर दीजिए, लेकिन पहले इसका इलाज शुरू कीजिए।" डॉ. विपुल शाह-"कल को कोई समस्या हो गई तो बात हमारी नौकरी पर आ जाएगी। आप तो पढ़ी-लिखी समझदार हैं, आपको पता ही है मीडिया और पुलिस का..।" रुचिका - "डॉ. साहब, मैं गारंटी ले रही हूं। आप इसका इलाज शुरू करिए।" लेकिन साथ आए युवक- "मैडम, कल को कोई लफड़ा हो गया तो लेने के देने पड़ जाएंगे। ऐसे निर्णय जज्बातों में बहकर जल्दबाजी से नहीं लिए जाते।"

रुचिका-" सुबह इस बेचारी की मदद ना कर पाने के कारण इसकी रुकती सांसों पर लेने के देने तो अभी भी पड़ रहे हैं।" युवक-"मैडम, पुलिस को आने दीजिए। केस की तहकीकात के पश्चात कोई फैसला लेना उचित होगा।"

रुचिका-" पर, तब तक बहुत देर हो जाएगी। अगर इसे कुछ हो गया तो, मैं तो जीते जी ही मर जाऊंगी।" वह निधि के इलाज में एक सेकेंड की देरी भी सहन नहीं कर पा रही थी, इसलिए उसकी निगाहें केवल निधि पर टिकी थी। डॉक्टरों के रोकने के बावजूद उसके कदम बार-बार उसके बेड की तरफ मुड़ जाते तथा उसकी धड़कनों की पुष्टि कर आते थे। पुलिस ने आते ही शीघ्रता से पूछताछ करके अपनी फाइल बना ली तथा डॉक्टर भी बड़ी तन्मयता से निधि के इलाज में जुट गए। उसकी लगातार उखड़ती सांसों के बावजूद उसकी जिंदगी के लिए धरती के भगवानों की उस सर्वशक्तिमान से जंग जारी रही। रुचिका वहीं बैठी रही तथा हाथ जोड़कर भगवान से प्रार्थना करती रही। हर बीतते पल के साथ उसे अपनी गलती का अहसास और भारी लगता जा रहा था और दिमाग स्कूल के गलियारे में पढ़ी 'हार की जीत' कहानी में घूम रहा था। बाबा भारती ने तो डाकू खड़क सिंह से यह वचन लिया था कि तुम दुनिया को यह मत बताना कि तुमने बाबा भारती से यह घोड़ा कैसे लिया है, वर्ना लोग अपाहिजों और दीन-दुखियों की मदद करना छोड़ देंगे। आज यही बात बिल्कुल यथार्थ हो गई है। पीड़ा की गहन अनुभूति में वह खुद से बड़बड़ाई - "बाबा भारती और सुल्तान तो हारकर भी जीत गए थे, पर यह रुचिका विश्वास की कसौटी पर.....।" पुलिस की तत्परता तथा नवयुवकों की सोशल मीडिया पर सक्रिय कोशिशों से निधि की पहचान मिल गई। वह एक प्रतिष्ठित कारोबारी की बेटी थी, जो विदेश की एक कंपनी में काम करती थी। पता लगते ही रोता-बिलखता पूरा परिवार अस्पताल आ गया। उसकी मां बिलखते हुए बोली-"बेटी, दो दिन पहले स्कूटी से शाम को शॉपिंग करने बाजार गई थी। स्कूटी पार्किंग में ही खड़ी रही और बेटी लौटकर नहीं आई। पास के पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए वहां के सीसीटीवी फुटेज की मदद से देखा - निधि शॉपिंग करके पार्किंग की तरफ जा रही है, तभी पीछे से बिना नंबर प्लेट के तेज गति से आती गाड़ी का दरवाजा खुला, किसी ने उसे गाड़ी के अंदर खींच लिया और गाड़ी सरपट भगा दी। अंधेरे के कारण सीसीटीवी कैमरे में किसी का भी चेहरा स्पष्ट नजर नहीं आया।" उसके मां-बाप से ज्यादा रुचिका सदमे में थी और जोर-जोर से बिलखते हुए-"उन दरिंदों के बराबर मैं भी कसूरवार हूं।" निधि के मां-बाप ने उसे प्यार से तसल्ली दी– "बेटी, खुद को दोष मत दो.. होनी अटल है।" डॉक्टरों के अनुसार- इसके साथ कई बार गैंगरेप किया गया है तथा यह दो दिन से भूखी-प्यासी भी है। लगता है चलती गाड़ी से धक्का दिए जाने के कारण इसके शरीर के अंदरूनी हिस्सों में आई गहरी चोटों का रक्तस्राव रुक नहीं रहा है। भीतर रक्त के थक्के जमने लगे हैं, जिससे स्थिति और गंभीर होती जा रही है। हाई बीपी के कारण अभी ऑपरेशन करना संभव नहीं है, इसलिए दवाइयों से इसे नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है। बेटी की हालत को देखते हुए उसके पापा उसे किसी अच्छे अस्पताल में शिफ्ट करने की विनती करने लगे, लेकिन उसकी नाजुक हालत को देखते हुए, पीजीआई के डॉक्टरों ने इसकी इजाजत नहीं दी ।

वह एक प्रतिष्ठित कारोबारी की बेटी थी, जो विदेश की एक कंपनी में काम करती थी। उसकी मां बिलखते हुए बोली-"बेटी, दो दिन पहले स्कूटी से शाम को शॉपिंग करने बाजार गई थी।'

तभी डॉक्टर द्वारा निधि के होश में आने की खबर किसी चमत्कार से कम नहीं थी। अब सभी को उम्मीद की किरण नजर आने लगी तथा उसके इर्द-गिर्द जमा होकर भगवान का शुक्रिया अदा करने लगे। हम सबसे ज्यादा पुलिस को उसका बयान लेने की जल्दी थी। निधि होश में कम, बेहोशी में बड़बड़ाए जा रही थी–" छोड़ो.. छोड़ो.. दर्द.. हो.. रहा.. है.. तुम.. चार...गंदी..हरकत, मैं.. गाड़ी..से..कूद.." उसकी जुबान लड़खड़ा रही थी और वह जोर-जोर से सांसें ले रही थी। डॉक्टरों ने उसे नियंत्रित करने की बड़ी कोशिश की लेकिन उसकी जिंदगी फूलती सांसों से हार गई। जिंदगी की सरपट सड़क पर दौड़ती रुचिका अपने ही व्यंग्य बाणों से घायल थी-"दो वक्त की रोटी भी कमाकर नहीं खा सकती हो, कुछ तो शर्म करो, भरी जवानी में....।"

पुस्तक समीक्षा

सामाजिक प्रतिबद्धता व कलात्मक संतुलन है 'सदियों में गुज़रते पल'

समीक्षक

डॉ. कुमुद रामानंद बंसल

डॉ. नीरू मित्तल 'नीर' का लघुकथा संग्रह 'सदियों में गुजरते पल' समकालीन हिंदी साहित्य में समय, समाज और संवेदना के अंतरसम्बंधों का गहन और सुस्पष्ट दस्तावेज़ है। यह कृति क्षणिक घटनाओं के पीछे छिपी उन संरचनात्मक सच्चाइयों को उद्घाटित करती है, जिनकी टीस सदियों तक बनी रहती है। शीर्षक का द्वंद्व 'पल' और 'सदियां'- व्यक्तिगत पीड़ा और सामूहिक स्मृति के बीच तनाव रचता है; यही तनाव इस संग्रह की वैचारिक धुरी भी है। विधागत दृष्टि से यह संग्रह समकालीन लघुकथा परंपरा में विवेक-प्रधान और नैतिक प्रश्नोन्मुख प्रवृत्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यहां कथाएं घटना-प्रधान सनसनी नहीं रचतीं, बल्कि विवेक को उकसाती हैं। लेखिका का सरोकार मनुष्य से है- उस मनुष्य से जो व्यवस्था में पिसता भी है और कभी-कभी उसी व्यवस्था का औज़ार भी बन जाता है। इसीलिए इन लघुकथाओं में प्रत्यक्ष उपदेश नहीं, बल्कि नैतिक असहजता का निर्माण है। संग्रह की उद्घाटन कथा 'सौदागर' सत्ता और राजनीति के यथार्थ को तीखे रूपक में ढालती है- जहाँ कंबल और राशन के बदले "दिमाग़ और आत्मा" खरीदे जाते हैं। सांप्रदायिक उन्माद पर आधारित 'अल्लाह और ईश्वर बह गए' में धर्म, भीड़ और हिंसा का गठजोड़ मानवीय विवेक को रक्तरंजित यथार्थ में बदल देता है। 'मैं ज़िंदा हूँ' तंत्र की त्रुटियों को इस हद तक उजागर करती है कि जीवित व्यक्ति अपनी पहचान से वंचित हो जाता है- यह संवेदनहीन व्यवस्था की तीखी आलोचना है। इस संग्रह का एक महत्त्वपूर्ण आयाम भीड़-मानसिकता और तमाशबीन समाज का विश्लेषण है। शिल्प की दृष्टि से लघुकथाएं सधी हुई हैं- भाषा सरल, संवाद स्वाभाविक और संरचना कसावपूर्ण। अंत चौंकाने के लिए नहीं, बल्कि सोच को गहरा करने के लिए आते हैं। डायरी-शैली, एकालाप और मानवेत्तर दृष्टि जैसे प्रयोग वैविध्य देते हैं, पर कथ्य पर हावी नहीं होते। इन रचनाओं की एक बड़ी शक्ति मौन का सौंदर्य है- शब्दों के बीच की रिक्तियां बोलती हैं, और वही अर्थ को गाढ़ा करती हैं। समग्रतः, सदियों में गुज़रते पल समकालीन हिंदी लघुकथा को वैचारिक गहराई, सामाजिक प्रतिबद्धता और कलात्मक संतुलन प्रदान करने वाला सशक्त संग्रह है। इसे पढ़कर पाठक राहत नहीं, असुविधा के साथ उठता है और यही गंभीर साहित्य की सबसे बड़ी सफलता है। यह कृति सहानुभूति से आगे बढ़कर आत्मपरीक्षण और नैतिक उत्तरदायित्व की मांग करती है; इसी में इसकी स्थायी साहित्यिक महत्ता निहित है।

डॉ. नीरू मित्तल 'नीर'

कवि कॉर्नर

कविता | डॉ. कमलेश मलिक

समय की धार

सुपर पावर देश का बन स्वामी महान
ट्रंप ले आया हास्य विनोद का सामान
चार्ली चैपलिन से करतब दिखा- दिखा
तान लिया है उसने कीर्ति का वितान

चाहा था शांतिदूत का मिले पुरस्कार
अब भर रहा प्रतिदिन युद्ध में हुंकार
रह गया उलझ कर अपने ही जाल में
कमजोर नहीं दुश्मन , दे रहा ललकार

वर्चस्व जमाने कभी पहुंचा था वियतनाम
आठ साल लड़कर भी हुआ था नाकाम
अफगानिस्तान ने भी छक्के छुड़ा दिए भाग
कर आकाश का आंचल लिया थाम।

इज़राइल ने खींच लिए अपने तीर कमान
ट्रंप महाशय हंस कर बदलते रोज बयान
कूटनीति या पटाक्षेप ? है विश्व अचंभित
रही-सही साख कहीं ना ले बैठे ईरान!

निष्फल सारे हो गये महाशक्ति के वाण
कोई चारा नहीं जो मिले तेल की खान
काट के घोड़े कहां लड़ें मैदानी जंग
अमरीकी जनता दे दे अपने गुरु को ज्ञान

चिंतक की मुद्रा में है भारत का व्यवहार
नाप रहा है, तोल रहा वह समय की धार
तूफ़ानी आहट का है आभास उसे भी जो
नौका पार उतारे वह ढूंढ रहा पतवार।

कविता | सुधीर ढांडा कौल

सांसें भी घुटने लगी

अब धीरे धीरे गर्मी बढ़ने लगी है,
देखो हर चीज अब तपने लगी है।

बिन बिजली के गाँव व शहर में,
देखो सांसें भी अब घुटने लगी हैं।

घर से बाहर कोई कैसे निकले,
गर्म गर्म हवाएं जो चलने लगी हैं।

लोग अपने घरों में दुबकने लगे,
बाजारों की रौनक भी खोने लगी हैं।

गर्मी से पशु पक्षी सब हाँपने लगे,
तालाब बावड़ी सब सूखने लगी हैं।

जानवर जंगल से दूर भागने लगे,
जंगल में आग जो सुलगने लगी है।

होंठ सूखे से रहते हैं अब 'सुधीर,
अब प्यास भी ज्यादा लगने लगी है।

व्यंग्य | मधुकांत

नौरंगीलाल को मिल गया टिकट

नौरंगीलाल शाम को अपने ड्राइंग रूम में बैठे टीवी पर समाचार देख रहे थे। लोकसभा के चुनाव की घोषणा हो चुकी, आचार संहिता लग गई। नौरंगीलाल 10 वर्ष से कच्चे कर्मचारियों के रूप में काम कर रहा है अर्थात 10 वर्ष से उसके सिर पर कच्चे धागे से बंधी तलवार लटक रही है। 10 वर्ष पुराना धागा कमजोर हो चुका है, फिर भी न जाने कब टूट जाए और तलवार उसके सिर पर गिरे और वह लहूलुहान हो जाए।

चुनाव की घोषणा से पूर्व 10 वर्ष पुराने कर्मचारियों को पक्का आश्वासन दे रखा था कि उनको पक्का कर दिया जाएगा। प्रतिदिन अखबार में शुभ समाचार सुनने के लिए उसकी आंखें थक गई थी। शुभ समाचार तो नहीं आया परंतु एक दिन अचानक चुनाव की तारीख घोषित हो गई। नारंगी लाल के सिर पर लटकती तलवार लटकती ही रह गई। समाचारों से विरक्त नौरंगी आजकल धार्मिक चैनल देखने लगे। आज भी वह आस्था चैनल पर भगवान राम को सीता हरण के बाद विलाप करते हुए देख रहे थे, तभी अचानक द्वार पर दस्तक हुई। सीता को उठाकर अट्टास करते रावण का दृश्य देखकर नौरंगीलाल घबरा सा रहा था। इस घबराए मन से उठकर उसने द्वार खोला तो पांच खद्दरधारी नेताओं को देखकर चौंक गया, क्या मालूम रावण की भांति यह भी भेष बदलकर आए हों। आधा द्वार खोलकर उसने पूछा कहिए जनाब। अरे नौरंगीलाल जी, हम तो आपके लिए खुशखबरी लाए हैं और आप मिठाई खिलाने के बदले अभी तक हमें द्वार पर ही रोक हुए हो। द्वार के सामने से हटते हुए नौरंगीलाल ने पूछा क्या खुशखबरी है भाई मेरे लिए। पांचों खद्दरधारी अंदर जाकर सोफे पर बैठ गए। नेताजी यानी एमपी साहब इस चुनाव में आपको अपनी पार्टी से टिकट दिलवाना चाहते हैं। मुझे...मुझे क्यों भाई, नारंगी के चेहरे पर आश्चर्य से हवाइयां उड़ने लगी। ... क्योंकि आप इस क्षेत्र के सबसे ईमानदार व्यक्ति हो, हमारी पार्टी का नाम भी ईमानदार पार्टी है इसलिए एमपी साहब ने फैसला किया है कि अपने क्षेत्र के सबसे ईमानदार व्यक्ति से चुनाव लड़वाएंगे। पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण करवाया गया है, जिसमें सबसे अधिक ईमानदार व्यक्ति आपको ही पाया है, इसलिए नेताजी ने कल आपको पार्टी कार्यालय में बुलाया है नारंगीलाल जी मेरा नाम रामधन है, चुनाव जीतने के बाद आप हमको भूल नहीं जाना। नौरंगीलाल के सीने में आत्मविश्वास भर गया। चुनाव के लिए धन कहां से आएगा उन्होंने अपनी शंका प्रकट की। नौरंगीलाल जी, आप चिंता न करें नेताजी को सब पता है। ईमानदार आदमी के पास धन नहीं होता इसलिए आप पार्टी फंड से चुनाव लड़ेंगे।

पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण करवाया गया है, जिसमें सबसे अधिक ईमानदार व्यक्ति आपको ही पाया है, इसलिए नेताजी ने कल आपको पार्टी कार्यालय में बुलाया है।

नारंगी ने कभी सोचा भी नहीं था कि बिल्ली के भागों से चिक टूट पड़ेगा। यूं स्कूल में हिंदी अध्यापक ने एक बार निबंध लिखवाया था कि यदि मैं शिक्षा मंत्री बन जाऊं, निबंध में सबसे अधिक अंक उसके ही आए थे। नारंगी लाल ने कहा कि भाई साहब, आपकी बात तो ठीक है, अपने देश में नेताजी तो ईमानदार होने ही चाहिए, फिर भी भाई साहब, एक बार मैं अपनी पत्नी से पूछ लेता हूं क्योंकि मैंने उनके साथ सात फेरे लेते हुए वचन दिया था कि विशेष फैसलों का निर्णय लेते हुए मैं उनकी सलाह अवश्य लूंगा। उत्साह से नौरंगी लाल अंदर कमरे में चले गए। पत्नी भी दरवाजे की ओर खड़ी सब सुन रही थी। नौरंगी का कमीज खींच कर कोने में ले गई और बोली कि तुरंत हां कर दो जी, ऐसा मौका बार-बार नहीं आएगा। एक बार चुनाव जीत गए तो जन्म-जन्म की गरीबी धुल जाएगी। अरे क्या कह रही हो, ईमानदारी के कारण तो हमको टिकट मिल रहा है और तुम क्या बात करती हो। सब नेता लोग ईमानदार ही होते हैं और कोई व्यवसाय व्यापार भी नहीं करते, फिर भी उनकी धन-संपत्ति बढ़ती ही रहती है। जाओ, जल्दी से हां कर दो... कहते हुए पत्नी ने नौरंगी लाल को बाहर की ओर धकेल दिया। बैठक में पहुंचते ही नौरंगी लाल ने कहा कि टीनू की मम्मी ने हां कर दी है।

बहुत अच्छा... अब आपका टिकट पक्का समझो, हां चुनाव जीतकर हम पांचों को भूल नहीं जाना। मेरा नाम धनीराम है और कल 10:00 बजे आप तैयार रहना, मैं आपको गाड़ी में अपने साथ पार्टी कार्यालय ले जाऊंगा। तीसरे खद्दरधारी ने कहा ..अब हम चलते हैं। अरे भाई, कुछ चाय-नाश्ता नहीं करोगे क्या? नौरंगी ने औपचारिकतावश कहा। कल आपके साथ पार्टी कार्यालय में ही पार्टी करेंगे, पांचों खद्दरधारी हाथ मिलाकर बाहर निकल गए। उनके जाते ही नौरंगी की पत्नी तुरंत आ धमकी। टीनू के पापा, कमाल हो गया। अब आप बन जाओगे मंत्री जी लोग मुझे भी मंत्रानी जी पुकारेंगे। ईमानदार पार्टी ने तो हमारे लिए कमाल ही कर दिया भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं।

भागवान तू तो रोज मेरी ईमानदारी पर ताना मारती थी, मुझे रिश्वत लेने पर विवश करती थी।

क्या बात करते हो जी? मैं तो आपसे मजाक करती थी, मुझे अच्छे से मालूम है कि ऑनेस्टी इस द बेस्ट पॉलिसी और इसी ईमानदारी ने आपको टिकट दिलवाया है।

कुछ हटकर

बी. टेक सीएससी के बाद करियर विकल्प

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

डिजिटल युग के सबसे प्रतिष्ठित पेशे बी.टेक (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) एक चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को कंप्यूटर सिस्टम, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा प्रोसेसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नेटवर्किंग जैसी आधुनिक तकनीकों की गहन समझ प्रदान करता है। इस कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग लैंग्वेज , डेटा स्ट्रक्चर, एल्गोरिद्म, डेटाबेस मैनेजमेंट, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी और मशीन लर्निंग जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल कोडिंग सिखाना नहीं है, बल्कि उन्हें तकनीकी समस्या समाधान, तार्किक सोच, और नवाचार की दिशा में सक्षम बनाना है।

उच्च शिक्षा के मौके

कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में अनेक शाखाएँ हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं। बी.टेक सीएसई के बाद विद्यार्थी अपनी पढ़ाई आगे बढ़ाकर विशेषज्ञता और करियर अवसर दोनों बढ़ा सकते हैं।

उच्च शिक्षा कार्यक्रम

- मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी
- मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डेटा एनालिटिक्स
- साइबर सिक्योरिटी, या क्लाउड कंप्यूटिंग
- अंतरराष्ट्रीय सर्टिफिकेशन
- अमेजन वेब सर्विस
- माइक्रोसॉफ्ट अजोर
- गूगल क्लाउड
- सिस्को सीसीएनए
- कॉम्प टीए सिक्योरिटी

आवश्यक कौशल

कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। सफल करियर के लिए विद्यार्थियों में तार्किक एवं विश्लेषणात्मक सोच, समस्या समाधान और नवाचार की क्षमता, प्रोग्रामिंग एवं कोडिंग दक्षता, डेटा विश्लेषण एवं साइबर सुरक्षा समझ आदि क्षमताओं का होना आवश्यक है।

निजी क्षेत्र में विकल्प

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के इस युग में बी.टेक सीइसई स्नातकों की मांग देश-विदेश दोनों में लगातार बढ़ रही है। टेक कंपनियां, बैंकिंग सेक्टर, फिनटेक, ई-कॉमर्स, और क्लाउड-आधारित उद्योगों में इनकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन 4 से 8 लाख वार्षिक के बीच होता है, जो अनुभव और विशेषज्ञता के साथ 15 से 25 लाख वार्षिक या उससे अधिक तक पहुँच सकता है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, इनफ़ोसिस, टीसीएस, एक्सेंचर, और आईबीएम जैसी कंपनियाँ इन स्नातकों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं। विद्यार्थी तकनीकी सेवाओं, अनुसंधान, साइबर सुरक्षा और डेटा प्रबंधन से जुड़ी सरकारी नौकरियों में योगदान दे सकते हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातक की प्रारंभिक आय 4 से 6 लाख वार्षिक होती है, जबकि उच्च पदों और अनुभव के साथ यह आय 12 से 15 लाख वार्षिक तक हो सकती है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

आत्म-अनुशासन ही सफलता की कुंजी

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा सफल होना चाहता है। अच्छा करियर, पहचान, सम्मान और आत्मनिर्भर जीवन। अवसर भी पहले से कहीं अधिक हैं, संसाधन भी उपलब्ध हैं, लेकिन इसके बावजूद असंतोष, भ्रम और असफलता की भावना बढ़ती जा रही है। इसका कारण प्रतिभा या अवसरों की कमी नहीं, बल्कि उस मूल गुण की अनदेखी है जिस पर सफलता टिकती है: आत्म-अनुशासन। हम अक्सर प्रेरणा की तलाश में रहते हैं। मोटिवेशनल वीडियो देखते हैं, किताबें पढ़ते हैं, सेमिनार सुनते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि प्रेरणा क्षणिक होती है, जबकि आत्म-अनुशासन वह शक्ति है जो बिना प्रेरणा के भी हमें आगे बढ़ाता है। जब मन न हो, तब भी सही काम करना, यही आत्म-अनुशासन है। आत्म-अनुशासन का अर्थ है, आराम से बाहर निकलकर प्रयास करना, बहानों को पहचानकर उनसे ऊपर उठना और लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहना। दुनिया का कोई भी सफल व्यक्ति केवल प्रतिभा या भाग्य के कारण नहीं, बल्कि अनुशासन के कारण आगे बढ़ा है। प्रतिभा अवसर दिला सकती है, लेकिन अनुशासन ही उस अवसर को परिणाम में बदलता है। आज की सबसे बड़ी चुनौती अवसरों की कमी नहीं है, बल्कि ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, तुरंत सफलता की चाह और दूसरों से तुलना: ये सभी युवा को अस्थिर बनाते हैं। ऐसे समय में आत्म-अनुशासन ही वह कवच है, जो व्यक्ति को अपने लक्ष्य पर टिके रहने की शक्ति देता है। आत्म-अनुशासन किसी एक दिन में विकसित नहीं होता। यह रोज के छोटे-छोटे निर्णयों से बनता है। समय पर उठना, रोज कुछ नया सीखना, स्क्रीन टाइम को सीमित करना, जिम्मेदारी निभाना और खुद से किया गया वादा निभाना। यही छोटी आदतें लंबे समय में बड़े परिणाम देती हैं। आज का युवा चाहे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा हो, सरकारी नौकरी का सपना देख रहा हो, स्टार्टअप शुरू करना चाहता हो या किसी कौशल में विशेषज्ञ बनना चाहता हो- हर रास्ते की पहली शर्त आत्म-अनुशासन है। बिना अनुशासन के मेहनत बिखर जाती है। हमें यह भी समझना होगा कि असफलता अंत नहीं है। असफलता अक्सर अनुशासन की परीक्षा होती है। जो युवा गिरकर सीखता है और अनुशासन के साथ दोबारा उठता है, वही आगे चलकर मजबूत बनता है। आज जरूरत प्रेरणा से अधिक अनुशासन की है क्योंकि आत्म-अनुशासन ही वह आदत है, जो हर सपने को हकीकत में बदलने की ताकत रखती है।

लघु कथा

नैतिकता

डॉ. तबस्सुम जहां

कहानीकार

'सर आपको जन्मदिन बहुत-बहुत मुबारक।'

ओह संगीता, बहुत शुक्रिया। क्या हमारे जन्मदिन पर मुंह मीठा नहीं कराओगी?

संगीता को खटका हुआ। सर के इस वाक्य का आशय वह भली-भांति जानती है। एक साल से वह झेल रही है कि उसके निर्देशक कैसे पढ़ाते -पढ़ाते बिना बात विषय प्रेम और सेक्स से जोड़ देते हैं। वह अक्सर उनकी इन हरकतों पर सकपका जाया करती थी। चूंकि संगीता एक खुद्दार और स्वाभिमानी लड़की थी इसलिए डॉ. विमल कुमार के किसी झांसे में नहीं फंसती थी। कभी सख्ती से उनसे बोल भी देती 'प्लीज़ सर मुझसे ऐसी बातें न किया करें।'

उनकी बातों के लिजलिजेपन को वो बीते एक साल से झेल रही थी पर पीएचडी अटक जाने के डर से न तो सुपरवाइज़र बदल सकती थी और न ही परिस्थितियों से भाग सकती थी। और डॉ. विमल कुमार थे कि जब-तब उसके सामने प्रेम आग्रह करते रहते।

उस दिन भी विमल कुमार ने उसे टोका- 'फिर क्या सोचा संगीता तुमने'

'माफ़ कीजिए सर, आप मेरे गुरु हैं, मैं आपको पिता तुल्य मानती हूं। मेरी नैतिकता इसकी इजाज़त नहीं देती। आप मेरे पिता समान हैं।'

'तो एक काम करो, तुम मुझे पिता समझ कर गले लगा लो और मैं तुम्हें अपनी गर्लफ्रेंड समझ कर गले लगा लेता हूँ।' दोनों की नैतिकता बची रहेगी।

संगीता के शरीर में काटो तो खून नहीं। वह आवाक़ रह गई। आज उसे नैतिकता का नया पाठ पढ़ाया गया है, वो भी शिक्षा के मंदिर में। उसने घृणा से सिर झुका लिया।

खबर संक्षेप

पूर्व उप प्रधानमंत्री की श्रद्धांजलि सभा आज

नांगल चौधरी। निजामपुर में जेजेपी कार्यकर्ता पूर्व उप प्रधानमंत्री देवीलाल की पुण्यतिथि पर छह अप्रैल को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करेंगे। जिसमें दिवंगत जननायक को पुष्प अर्पित करने के बाद संगठन को मजबूत बनाने की रूपरेखा बनाई जाएगी। हलका प्रधान एडवोकेट प्रमोद ताखर ने बताया कि देवीलाल चौक पर सुबह नौ बजे हलका स्तरीय कार्यकर्ता एकत्रित होंगे। इसके बाद 9:30 बजे प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद युवा कार्यकर्ताओं को उनकी जीवनी व कार्यशैली से अवगत कराया जाएगा।

12 को राधा स्वामी आश्रम हांसी में होगा सत्संग

भिवानी। राधा स्वामी दिनोद के परम संत कंवर साहब जी महाराज आगामी 12 अप्रैल को हांसी के राधा स्वामी आश्रम में सत्संग का आयोजन किया जाएगा यह जानकारी राधा स्वामी सत्संग दिनोद के सेवादार संदीप खरकिया ने उन्होंने बताया कि गुरु महाराज जी संगत को सत्संग एवं आशीर्वाद देंगे भिवानी रोड पर आयोजित राधा स्वामी आश्रम में सत्संग के दौरान भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। सत्संग में आसपास क्षेत्र से हजारों की संख्या में राधा स्वामी के श्रद्धालु भाग लेंगे।

हरिनाथ महाराज की पुण्यतिथि पर हुआ धार्मिक अनुष्ठान

दान करने से मनुष्य को पुण्य की होती है प्राप्ति : शंकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरिनाथ महाराज की आठवीं पुण्यतिथि पर श्री विष्णु सेवा समिति द्वारा रेलवे रोड स्थित श्री विष्णु भगवान मंदिर में विशाल भंडारे एवं धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया तथा महाराज हरिनाथ की समाधि पर माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति प्रधान मनोहर लाल झूकिया ने बताया कि सिद्ध संत हरिनाथ महाराज की पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष परंपरागत रूप से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजन, स्नान एवं महाराज के ज्ञान वंदन से किया गया।

इसके पश्चात महाराज के परम शिष्य शंकर, पंडित मुकेश शर्मा, प्रधान मनोहर लाल झूकिया, संरक्षक संजय मित्तल एवं महासचिव डॉ. सुधीर कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने महाराज की प्रतिमा का वस्त्र, पुष्पमालाओं एवं श्रृंगार से अलंकरण कर भोग अर्पित किया। धार्मिक विधि-विधान के उपरांत साधु-संतों को भोजन करवाकर भंडारे का शुभारंभ किया गया, जिसमें दूर-दराज एवं विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति द्वारा पधारे श्रद्धालुओं का पुष्पगुच्छ एवं फूलमालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया। महिलाओं द्वारा पुष्पमालाओं एवं रंग-बिरंगे गुब्बारों से मंदिर को आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया तथा भव्य भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो उठा। मंदिर प्रभारी शंकर ने बताया कि हिंदू धर्म में भंडारे का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार दान करने से मनुष्य को पुण्य की प्राप्ति होती है तथा सभी दानों में अन्नदान को सर्वोत्तम माना गया है। उन्होंने कहा कि हरिनाथ महाराज एक महान संत थे, जो सदैव लोककल्याण के कार्यों में संलग्न रहते थे, इसी कारण उनकी पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष इस प्रकार के धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण सहित शहर के अनेक लोगों ने उपस्थित रहे तथा तन, मन एवं धन से पूर्ण सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

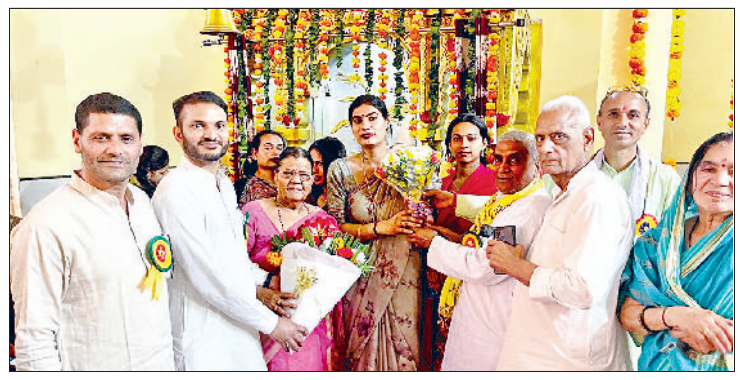

महेंद्रगढ़। अतिथियों को स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

यह रहे मौजूद

इस दौरान स्थानीय विधायक कंवर सिंह यादव, राजेंद्र शर्मा, प्रोफेसर संजय जोशी, डॉ. सुधीर लाम्बा, प्रोफेसर महेंद्र सिंह, प्रोफेसर विजय यादव, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. तीर्थराज शर्मा, प्रधान मनोहर लाल झुकिया, संरक्षक संजय मित्तल, महासचिव डॉ. सुधीर कुमार, प्रदीप निम्बेड़िया, पंडित मुकेश शर्मा, सुशील कुमार अग्रवाल, मनोज कुमार सिंगला, सुरेश कुमार, गोपाल कृष्ण धींगरा, एडवोकेट सतवीर सिंह, भंवर सिंह, पूर्व नपा प्रधान शकुंतला मित्तल, कन्नु, अजय सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मंडी अटेली। सिहमा प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष का स्वागत करते हुए।

सिहमा में हुआ हुडिना मंडल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

भारतीय जनता पार्टी के हुडिना मंडल का मंडल स्तरीय महाप्रशिक्षण कार्यक्रम बाबा खेतानाथ मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य केंद्र से निर्देशित विषयों और योजनाओं की जानकारी कार्यकर्ताओं तक पहुंचाना रहा। यह प्रशिक्षण शिविर सात सत्रों में संचालित किया गया। प्रशिक्षण अभियान का नेतृत्व कर रहे भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने कहा कि प्रशिक्षण ही संगठन की वास्तविक शक्ति है।भारतीय जनता पार्टी की असली ताकत उसके समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ता हैं। हुडिना मंडल अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित की भावना से प्रेरित होकर समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर अजीत कलवाड़ी, जयप्रकाश सैनी, विजय सिंह प्रजापति, संजीव कुमार, पूर्व सरपंच सुबेसिंह, अशोक कुमार, कर्णसिंह, जगदेव, नीरज, राजेंद्र सिंह, हेमंत, मनीष, वासुदेव व किशन लाल बोहरा के आदि मौजूद रहे।

गोवंश के लिए लगाई सवामणि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान मे आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में श्री गोपाल गोशाला में संस्थान के सदस्यों की ओर से गो पूजन कर सवामणी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सुरेन्द्र गोयल, रितु गोयल, कृष्ण गुप्ता, कुमुद गुप्ता, विनोद सोनी, रमा सोनी, रोहताश अग्रवाल व संस्था के सदस्यों ने श्री गणेश जी, नवग्रह सहित सभी देवी देवताओं का विधिविधान से गो पूजन करवाया। इसके बाद हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल, नमक आदि मिलाकर सवामणी तैयार कर गोवंश को खिलाई।

नारनौल। गोवंश के लिए सवामणी लगाने आए संस्था के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर प्रधान महेन्द्र नूनिवाला, प्रदीप संघी, सह कोषाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता, सहसचिव सुमित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विनोद सोनी, रोहताश अग्रवाल, किशन वशिष्ठ, प्रदीप संघी, संजय गर्ग, तुलसी अग्रवाल, राजकुमार चौधरी, वेदप्रकाश बंसल, जोगेंद्र अग्रवाल, विनोद सर्राफ, राकेश बंसल, सोमदेव शर्मा, सरिता जैन, गोमती बोहरा, जया अग्रवाल, राधा बंसल, निशा अग्रवाल, मोनिका शर्मा, मंजू शर्मा, रेखा संघी, लीलावती देवी, उन्नति शर्मा, पूर्वी शर्मा, लक्षिका शर्मा, देवांशी शर्मा आदि गोभक्त उपस्थित रहे।

राष्ट्रवाद व सुशासन की मजबूत नींव पर हुई भाजपा की स्थापना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारतीय जनता पार्टी की स्थापना राष्ट्रवाद, सुशासन और विकास की मजबूत नींव पर हुई थी। पार्टी की मुख्य विचारधारा "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के सिद्धांत पर आधारित है, जो समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने का संदेश देती है। भाजपा हमेशा से देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध रही है।

वासुदेव यादव ने कहा आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत नई ऊँचाइयों को छू रहा है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व, मजबूत निर्णय क्षमता और जनकल्याणकारी योजनाओं ने देश को वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान दिलाई है। गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं लागू कर उन्होंने "नए भारत" के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है। इस स्थापना दिवस पर हम सभी कार्यकर्ता यह संकल्प लें कि पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देंगे और भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प को साकार करेंगे।

एसडी स्कूल में नए शिक्षा सत्र का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत हवन से हुई। रविवार को इस समारोह का आयोजन प्रधानाचार्या शिप्रा सारस्वत के नेतृत्व में किया गया। जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन में आहुति डाली गई। परंपरा की इस कसौटी पर विद्यालय परिसर भक्ति व सकारात्मक ऊर्जा से गुंजायमान हो उठा। शिक्षक स्टाफ ने सरस्वती वंदना, रामायण की चौपाई, हनुमान चालीसा, रामचरितमानस पाठ किया।

विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव ने कहा कि हवन करने से पर्यावरण शुद्ध होता है, व देवता प्रसन्न होते हैं। हवन करना अत्यंत फलदायी माना गया है।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि इसके वैज्ञानिक व स्वास्थ्य संबंधी लाभ भी होते हैं, जो वायु को शुद्ध व सकारात्मक बनाते हैं। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के वरिष्ठ सदस्य सीईओ आरएस यादव, डिप्टी डायरेक्टर पूर्णसिंह, कोऑर्डिनेटर स्नेहलता आदि उपस्थित थे।

कनीना। हवन में आहुति डालते एसडी स्कूल के शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

अटेली में घर-घर पहुंचा फुले आंबेडकर जयंती का निमंत्रण

मंडी अटेली। आगामी 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर मंडी अटेली में तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कड़ी में रविवार को क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों में व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाया गया। यह अभियान राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के प्रधान शेरसिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें लोगों को पर्चे वितरित कर अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचने का आह्वान किया गया। शेरसिंह ने बताया कि 11 अप्रैल को प्रातः 10 बजे झंडा चौक पर आयोजित यह कार्यक्रम महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। मुख्य अतिथियों के रूप में एसोसिएट प्रोफेसर सीमा खाड़िया, सुनील कुमार, राजस्थान सरकार के मजिस्ट्रेट हेमंत मेहरा शामिल होंगे। इस प्रचार अभियान में राष्ट्रीय बौद्ध महासभा प्रदेश महासचिव कृष्ण कुमार, मामराज, सूबेदार भूपसिंह, गजेंद्र सिंह व सुभाष चंद्र एडवोकेट शामिल रहे।

भुंगारका की करीना को आईजीयू की मेरिट सूची में मिला स्थान

छात्रा को प्रशंसा पत्र व नकद पुरस्कार देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

भुंगारका निवासी छात्रा करीना कुमारी ने आईजीयू मीरपुर की ओर से घोषित एमए अंग्रेजी विषय में टॉप पांच में स्थान हासिल किया है। मेधावी छात्रा को स्वतंत्रता सेनानी राव जयमलसिंह मैमोरियल ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. नरेश यादव ने प्रशंसा पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि छात्रा की उपलब्धि से कॉलेज व गांव का गौरव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि छात्रा करीना कुमारी का शैक्षणिक रिकार्ड शुरू से ही उच्च स्तरीय रहा है। स्नात्तक के परीक्षा परिणाम में भी अव्वल स्थान हासिल किया है। इसके बाद उन्होंने अंग्रेजी विषय से मास्टर डिग्री हासिल करने के लिए पीजी कॉलेज नारनौल में दाखिला लिया था। यूनिवर्सिटी ने फाइनल परीक्षा का परिणाम बीते सप्ताह घोषित किए गए। करीना कुमारी ने विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में स्थान बनाकर अन्य छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित पढ़ाई करने का संदेश दिया है। मौके पर यादव सभा के उपप्रधान मनोज कुमार, भोलाराम, सूबेदार जयसिंह, मूरली, महीपाल आदि मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। मेधावी छात्रा करीना को सम्मानित करते ट्रस्ट प्रधान डॉ. नरेश यादव।

केएल स्कूल को एनसीसी प्रशिक्षण की मिली अनुमति

निजामपुर। जिले के नांगल चौधरी ब्लॉक में स्थित केएल मेमोरियल स्कूल इस्लामपुरा शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। खास बात यह है कि जिले में यह एकमात्र ऐसा स्कूल है, जहां राष्ट्रीय कैडेट कोर एनसीसी के ए व बी प्रमाण पत्र प्राप्त करने की अनुमति दी गई है। विद्यार्थियों को सरकारी नौकरियों में विशेष लाभ मिलने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। प्राचार्य राजबीर सिंह के अनुसार एनसीसी प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और देशभक्ति की भावना का विकास होता है, साथ ही सेना, पुलिस और अन्य सरकारी सेवाओं में भर्ती के दौरान एनसीसी प्रमाण पत्र धारकों को अतिरिक्त अंक और प्राथमिकता भी मिलती है। जिससे मेरिट सूची में 10 फीसदी अंक तक पिछड़ने वाले युवाओं को राहत मिलेगी।

एनएमएमएस परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाली छात्रा सम्मानित

महेंद्रगढ़। छात्रा नेहा को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् गुरुग्राम द्वारा आयोजित नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप परीक्षा में सफल होने पर सिसोठ निवासी रामकुमार चौहान की पोती नेहा पुत्री कर्णसिंह को गांव सिसोठ के सदस्यों ने उपहार देकर सम्मानित किया। इस दौरान मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल टीम सदस्य मुकेश चौहान, सरपंच वीरेन्द्र यादव, पूर्व चेयरमैन सूरत सिंह यादव, रामकिशन जांगडा, सूबेसिंह ढाणी, रामकिशन ढाणी, संदीप पंच, सीताराम पंच, अजित पंच, मीना कुमारी पंच, महिला पंच मीना कुमारी, कौशल्या देवी, शिक्षिका सारिका, एसएमएस प्रधान सुमित्रा देवी, सन्तोष, बबली, बबीता मौजूद रहे।

प्रशिक्षण | सेवा भारती का सिलाई प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना समय की आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सेवा भारती शाखा के तत्वावधान में मोहल्ला कोलियान में संचालित सिलाई प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विभाग प्रमुख जगदीश गुप्ता ने की, जबकि मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष सुधीर मित्तल थे। विशिष्ट अतिथि बिशनदयाल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण से उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा मिली है और वे अब अपने पैरों पर खड़े होने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मुख्य अतिथि सुधीर मित्तल ने सेवा भारती के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना समय की आवश्यकता है और सेवा भारती इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने हुनर का सदुपयोग कर आगे बढ़ें और समाज में अपनी अलग पहचान बनाएं। सेवा भारती शाखा शाखा अध्यक्ष अशोक सिंघल ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाना है।

उन्होंने बताया कि सिलाई प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम जारी रहेंगे। शिविर के सफल आयोजन में अश्वनी कटारिया, प्रतिमा शर्मा, शाखा सचिव डॉ. शिवकुमार का विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन डॉ. शिवकुमार ने किया। इस मौके पर संरक्षक जयप्रकाश, नीरज अग्रवाल, बजरंग लाल गुप्ता, राजेश गोयल, सुशील तायल, सरोज बाला आदि मौजूद थे।

नारनौल। महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

खनन कार्य शुरू करवाने के लिए क्रेशर मालिक मिलेंगे सीएम से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

खानक पहाड़ में बिना किसी पूर्व सूचना के एचएसआईआईडीसी कंपनी द्वारा अचानक बंद किए गए, खनन कार्य की शुरुआत करवाने तथा अन्य मांगों को लेकर खानक के क्रेशर मालिक सिंचाई और महिला बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी के माध्यम से 8 अप्रैल को मुख्यमंत्री नायब सैनी से चंडीगढ़ में मुलाकात करेंगे। यह निर्णय खानक आयोजित क्रेशर मालिकों बैठक में लिया गया। बैठक में बड़ी संख्या में क्रेशर मालिको एकजुट होकर एचएसआईआईडीसी के इस निर्णय का विरोध किया। क्रेशर एसोसिएशन खानक -डाडम के प्रधान भीषम मेहता और क्रेशर मालिको ने बताया कि एचएसआईआईडीसी कंपनी ने 2 अप्रैल को शाम को पहाड़ से माल को जल्दी-जल्दी उठाने के के लिए क्रेशर मालिकों को कहा और 3 अप्रैल को ही सभी के पास मैसेज करके पहाड़ से गाड़ियां निकालने के आदेश दे दिए जबकि संबंध में कोई भी जानकारी या कारण नहीं बताया गया। यह पूरी तरह गलत आदेश थे। आए दिन पहाड़ में अलग-अलग कारणो को लेकर खनन कार्य बाधित होता रहता है खानक-डाडम में करीबन 150 क्रेशर इकाइयां है जो लगातार खनन कार्य न होने की वजह से बुरी तरह प्रभावित होती है। अचानक कार्य रोके जाने से क्रेशर बाजार में क्रेशर, रोड़ी - बजरी के दाम बढ़ गए है। इस वजह से आम ग्राहक दूसरे बाजारों को ढूंढने लगता है। हर महीने क्रेशर मालिकों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है ।बिजली से लेकर मजदूर और कर्मचारियों को वेतन देने के अलावा क्रेशर इकाइयों पर और बहुत से खर्च होते हैं।

तोशाम। बंद पड़े क्रेशर का दृश्य।

खबर संक्षेप

पिट्ठू बैग में शराब ले जा रहे युवक को दबोचा

भिवानी। थाना शहर भिवानी पुलिस ने एक व्यक्ति को बाइक पर अवैध शराब ले जाते हुए गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह सफलता पुलिस चौकी जैन चौक के मुख्य सिपाही आजाद की टीम को मिली है। पुलिस टीम ने आरोपी को हनुमान मंदिर क्षेत्र तेलीवाड़ा के पास नाकाबंदी कर धर दबोचा है। तलाशी लेने पर आरोपी के पिट्ठू बैग से 24 बोतल देसी शराब बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जितेंद्र पुत्र मुनीम निवासी कोंट रोड, दादरी गेट भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है।

हेरोइन के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल भिवानी की टीम ने एक व्यक्ति को मादक पदार्थ हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल भिवानी के उप निरीक्षक अमरजीत सिंह की टीम को गुप्त सूचना के आधार पर गश्त के दौरान यह सफलता मिली है। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 12 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सन्नी पुत्र प्रेम कुमार निवासी वार्ड नंबर- 5, बवानी खेड़ा के रूप में हुई है।

हत्या के आरोपी को किया गिरफ्तार

भिवानी। थाना औद्योगिक क्षेत्र भिवानी पुलिस ने राममोहन हत्या मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मनोज निवासी उत्तर प्रदेश ने थाना औद्योगिक क्षेत्र भिवानी में इस मामले में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वे अपने साथियों के साथ खेत में कार्य करने के लिए आए हुए थे। 2 अप्रैल की रात उनका साथी राममोहन पास में हुक्का भरने के लिए गया था, जहां उसकी आरोपी कश्मीर के साथ कहासुनी हो गई। आरोपी ने राममोहन पर डंडे से हमला कर गंभीर चोटें पहुंचाईं। घटना के बाद घायल राममोहन को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसी मामले में थाना औद्योगिक क्षेत्र भिवानी के प्रभारी उप निरीक्षक देवेंद्र कुमार की टीम ने मुख्य आरोपी को संजय कॉलेज के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान कश्मीर निवासी गुलजारपुर, जिला उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) के रूप में हुई है।

सीआईए स्टाफ ने हेरोइन के साथ किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने व्यक्ति को मादक पदार्थ हेरोइन के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के सहायक उप निरीक्षक कृष्ण कुमार की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को नाकाबंदी कर दबोचा था। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 21 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान हरीश पुत्र सुभाष निवासी मुल्तानी चौक हिसार, हाल निवासी नायब धर्मशाला सिवानी के रूप में हुई है।

केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग की नई अधिसूचना

नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र नियमों में बदलाव, मल्टीप्लायर मॉडल लागू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

- अलग-अलग ऊर्जा स्रोतों को अलग गुणांक
- वीपीपीए को मान्यता, निवेश पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद

देश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देते हुए केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी) ने नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) नियमों में व्यापक संशोधन कर दिए हैं। यह अधिसूचना भारत का राजपत्र (ई-गजट) में प्रकाशित होते ही लागू हो गई है और इसे ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़े संरचनात्मक सुधार के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

नए संशोधनों के तहत अब आरईसी प्रणाली को अधिक वैज्ञानिक और परिणामोन्मुख बनाने के लिए "मल्टीप्लायर आधारित व्यवस्था" लागू की गई है। इसके तहत अलग-अलग नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को उनकी तकनीकी जटिलता, लागत और उपयोगिता के आधार पर अलग-अलग गुणांक दिए गए हैं।

जहां सौर और ऑन-शोर पवन ऊर्जा को 1 का सामान्य गुणांक दिया गया है, वहीं हाइड्रो परियोजनाओं को 1.5, कचरा आधारित ऊर्जा परियोजनाओं को 2 और बायोमास तथा बायोगैस परियोजनाओं को 2.5 का उच्च गुणांक प्रदान किया गया है। इससे अपेक्षाकृत महंगी और कम विकसित तकनीकों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

आयोग ने मल्टीप्लायर तय करने के लिए एक नया मूल्यांकन ढांचा भी विकसित किया है, जिसमें टैरिफ रेंज, प्रौद्योगिकी परिपक्वता और ग्रिड को मिलने वाले पीक सपोर्ट को आधार बनाया गया है। इन तीनों मानकों को क्रमशः 40, 30 और 30 प्रतिशत वेटेज दिया गया है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि नीतिगत लाभ केवल उत्पादन पर नहीं, बल्कि तकनीकी दक्षता और ग्रिड स्थिरता पर भी आधारित हो।

आरईसी के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा बाध्यता को कर सकेंगे पूरा

इस अधिसूचना की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता वर्चुअल पावर परचेज एग्रीमेंट (वीपीपीए) को औपचारिक मान्यता देना है। अब उपभोक्ता या नामित उपभोक्ता आरईसी के माध्यम से अपनी नवीकरणीय ऊर्जा बाध्यता को पूरा कर सकेंगे, जिससे बिजली बाजार में लचीलापन और भागीदारी दोनों बढ़ेंगे। साथ ही, अतिरिक्त प्रमाणपत्रों को भविष्य के लिए सुरक्षित रखने या व्यापार करने की अनुमति देकर बाजार को और गतिशील बनाने का प्रयास किया गया है। नियमों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ये प्रावधान नए और मौजूदा दोनों प्रकार के उत्पादन स्टेशनों पर लागू होंगे तथा प्रमाणपत्र जारी करने और निगरानी की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाएगा।

ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को मिलेगा बढ़ावा

ऊर्जा क्षेत्र के जानकार इस बदलाव को भारत के हरित ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में एक निर्णायक कदम मान रहे हैं। उनका मानना है कि इससे न केवल निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि नई तकनीकों के विकास, बिजली बाजार में प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ताओं के हितों को भी मजबूती मिलेगी। केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग का यह संशोधन देश की ऊर्जा व्यवस्था को अधिक टिकाऊ, संतुलित और भविष्य के अनुरूप बनाने की दिशा में एक अहम पहल साबित हो सकता है। उन्होंने इसे सकारात्मक कदम माना है।

मालगाड़ी के आगे कूदकर व्यक्ति ने की आत्महत्या

नारनौल। मालगाड़ी के आगे कूदकर एक 46 वर्षीय व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गांव उच्चत निवासी के रूप में हुई है। जीआरपी ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। जीआरपी चौकी इंचार्ज कैलाशचंद ने बताया कि रविवार को सुबह करीब साढ़े दस बजे नारनौल रेलवे स्टेशन के पास गांव पटीकरा की नदी के नजदीक किलोमीटर नंबर 50 के चार के गांव उच्चत निवासी यादराम नामक 46 वर्षीय व्यक्ति ने मालगाड़ी के सामने कूदकर सुसाइड कर लिया। चौकी इंचार्ज ने बताया कि सूचना मिलने के बाद जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को अपने कब्जे में लिया। जिसके बाद उसकी शिनाख्त कर जानकारी परिजनों को दी गई। जिसके बाद परिजनों ने मौके पर पहुंच शव की शिनाख्त की।पुलिस के अनुसार परिजनों ने बताया कि यादराम कई दिनों से बीमार चल रहा था।

किसानों पर आफत, बेमौसम बारिश से कटाई कर रखी चने की फसल खराब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

▶▶ ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने खेतों में जाकर बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान का लिया जायजा
▶▶ सरकार से किसानों को मुआवजा देने और एमएसपी पर चने की फसल की खरीद करने की उठाई मांग

गांव मोहनपुर की सीम खेतों में कटाई कर एकत्रित की गई चने की फसल बेमौसम बारिश से भीगकर काली पड़ने लग गई है। जिससे किसान को भारी नुकसान हुआ है।

गांव जैलाफ के किसान कैलाश ने मोहनपुर सीम के खेतों में छह एकड़ जमीन में बटाई पर चने की खेती की हुई है। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन की ओर से छाजूराम रावत ने खेतों में जाकर हाल ही में हुई बेमौसम की बारिश से हुए नुकसान का जायजा लिया, तो किसान कैलाश ने बताया कि मुझे चने की फसल जो कटाई कर इकठ्ठी की हुई थी, भीगकर खराब हो गई। जिससे भारी नुकसान हुआ है।

एक एकड़ जमीन में लगभग खेती में 30 हजार रुपये लग गए। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन सरकार से मांग करता है कि किसानों के नुकसान की भरपाई सरकार अपने खजाने से मुआवजा प्रदान कर करें और किसानों की चने की फसल एमएसपी पर सरकारी खरीद सुनिश्चित करें। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पर्यावरण के प्राकृतिक कारणों के चलते इस इलाके में चना की फसल का रकबा बिजाई बेहद कम हो गया है।

किसान जोखिम लेकर कम होती चने की फसल को बचाने की खेती कर रहे हैं। लागत ज्यादा होने के कारण पहले ही खेती किसानों के लिए घाटे का सौदा साबित हो रही है।

नारनौल। बारिश से खराब हुई चने की फसल। फोटो : हरिभूमि

28 लाख से पांच गलियों का करवाया जाएगा निर्माण

चरखी दादरी। शहर के वार्ड नंबर 4 में 28 लाख रुपये की लागत से पांच गलियों के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया है। इस मौके पर नगर परिषद चेयरमैन बख्शी राम सैनी ने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में वाइस चेयरमैन संदीप फौगाट , पार्षद वीरेंद्र जोगी, नप पार्षद विनोद बाल्मीकि , हरि प्रकाश लांबा, सतीश बजाज सहित वार्ड के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने लंबे समय से खराब पड़ी गलियों के निर्माण को लेकर खुशी जाहिर की और नगर परिषद का आभार व्यक्त किया है। चेयरमैन बख्शी राम सैनी ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में समान रूप से विकास कार्य करवाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वार्ड नंबर 4 की गलियों के निर्माण से लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी और क्षेत्र का समग्र विकास होगा।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 48 मरीजों ने करवाई जांच, मुफ्त दवाएं भी दी गईं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

वरिष्ठ नागरिक संगठन के तत्वावधान में किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री आश्रम में बने संगठन कार्यालय में संवेदना अस्पताल के सौजन्य से निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। कैम्प का प्रारंभ मां सरस्वती व साध्वी बहन मिश्री देवी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस कैम्प में 48 मरीजों ने अपने दांतों के रोग की जांच व इलाज लिया। अध्यक्षता प्रधान दुलीचंद शर्मा ने की। शर्मा ने बताया कि डा. दिव्या यादव द्वारा हड्डियों के रोग की जांच के बाद जरूरी ईलाज डा. अचल मित्तल द्वारा किया गया।

सामान्य बीमारियों की जांच करके उनका ईलाज संवेदना अस्पताल के वरिष्ठ फिजीशियन डा सुरेन्द्र कुमार मित्तल द्वारा किया गया। डा मित्तल ने उपस्थित मरीजों को खुद को स्वस्थ रखने के बारे में भी उचित परामर्श दिया। उन्होंने कहा कि समय–समय पर बीपी, शुगर व शरीर की अन्य जांच करवानी चाहिए। इस कैम्प में मरीजों के बीपी, शुगर व ईसीजी की जांच निःशुल्क की गई। इस कैम्प में मरीजों को दवाइयां मुफ्त में वितरित की गई।

इस कैम्प में विजय रहीश, मास्टर भागीरथ प्रसाद, सुरेश जांगिड़, शिवहरि अग्रवाल, मुखराम सैनी, बीएल सैनी, सुरेश भारद्वाज, बिशन सिंह यादव, बद्री प्रसाद गर्ग, रामजीलाल मित्तल, अजीत प्रकाश जैन एडवोकेट, सोहनलाल चौहान, शिवलाल वर्मा, रविन्द्र कुमार चौधरी, श्याम सुंदर शर्मा, सरदार महेन्द्र सिंह, ब्रह्मप्रकाश वर्मा, उमादत्त शर्मा, सनातन धर्मसभा के प्रधान धर्म चन्द छाबड़ा, मास्टर जयदयाल, एडवोकेट राजकुमार चौधरी, जयप्रकाश कौशिक, एडवोकेट बृजमोहन, अशोक कुमार सिंघल, चेतन स्वरूप, अमीलाल शर्मा पंच, दयाराम सैनी, बाबूलाल अग्रवाल, सुभाष यादव और सुभाष सिंघल आदि रहे।

नारनौल। मेडिकल कैंप में उपचार प्रदान करते डा. सुरेंद्र मित्तल। फोटो : हरिभूमि

कनीना। घोड़ी पर बेटी का बनवारा निकालते परिजन। फोटो : हरिभूमि

घोड़ी पर निकाला बेटी का बनवारा

कनीना। गांव खरकड़ा बास में आयोजित होने वाले विवाह समारोह को लेकर खुशियां उस समय बढ़ गई जब परिजनों ने बेटी सुषमा का बनवारा घोड़ी पर निकाला। ऐसा कर उन्होंने समाज में नई मिशाल पेश की है। सतबीर निबंल ने बताया कि रोहताश निंबल की पुत्री सुषमा की शादी सात अप्रैल को रोहित सीगडी के साथ होनी निर्धारित है। जिसके दृष्टिगत सुषमा के ताऊ सोमदत्त निंबल ने विवाह की खुशियों को दोगुना करते हुए अपनी भतीजी को बनवारा दिया है। जिसकी रस्म घोड़ी पर निभाई गई। उइस मौके पर पंचायत समिति की पूर्व चेयरपर्सन सरला देवी, सरपंच मनीषा देवी, मनोज, श्रीराम, रामेश्वर दयाल, महेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, विवेक उपस्थित थे।

यूएस सैनिक स्कूल अकादमी में बाल स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प के साथ रविवार को यूएस सैनिक स्कूल अकादमी में निःशुल्क बाल स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर निजी हॉस्पिटल के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. सपना शेखावत द्वारा किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त हवलदार सुशील कुमार रहे। नारनौल के अनुभवी बाल रोग विशेषज्ञों की टीम ने बच्चों के स्वास्थ्य की बारीकी से जांच कर अभिभावकों को बच्चों के पोषण, टीकाकरण और मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए निःशुल्क परामर्श भी दिया गया। अकादमी के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रमोद कटारिया और डायरेक्टर डेनियल प्रमोद ने बताया कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का शारीरिक स्वास्थ्य भी बेहद जरूरी है। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और अभिभावकों को जागरूक करना है। अकादमी ने भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प दोहराया। इस दौरान मनीषा, रामनिवास फौजी, शिवपाल, मार्केटिंग सदस्य प्रवेश जांगड़ा, विकास, विजित अन्य मौजूद रहे।

मंडी अटेली। बाल स्वास्थ्य शिविर में जांच करते हुए। फोटो : हरिभूमि

एनएमएमएस परीक्षा में भावना ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मॉडल संस्कृति स्कूल सिहमा की छात्रा भावना ने एनएमएमएस परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर स्कूल, अभिभावकों और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय में खुशी का माहौल बन गया। स्कूल के प्राचार्य कृष्ण कुमार ने बताया कि भावना एक मेहनती, अनुशासित और प्रतिभाशाली छात्रा है।

उसने नियमित पढ़ाई और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है और अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। भावना ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और स्कूल के सकारात्मक माहौल को दिया। स्कूल स्टाफ ने भी इस सफलता को छात्रा की मेहनत और बेहतर शिक्षण व्यवस्था का परिणाम बताते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाली भावना को हर ओर से बधाइयां मिल रही हैं।

पीड़ित परिवार के बच्चों को नौकरी देने की घोषणा पर सीएम का आभार जताया

भिवानी। धानक जनकल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष संदीप खरकिया ने कहा कि सफीदों में पटाखा फैक्ट्री में धानक समाज से जुड़ी 12 महिलाओं की मौत पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पीड़ित परिवार के बच्चों को नौकरी देने की घोषणा पर धानक जनकल्याण मंच ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया। जारी प्रेस बयान में संदीप खरकिया ने कहा कि मंच ने घटना वाले दिन से ही इस मामले को लेकर सरकार एवं प्रशासन के समक्ष बड़े जोरदार ढंग से उठाया था आज मुख्यमंत्री ने सफीदों में पीड़ित परिवार के घर जाकर उनसे मुलाकात की और मदद का भरोसा दिलाया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

कार्यक्रम बीकेएन पॉलिटेक्निक का दीक्षांत समारोह आयोजित

युवाओं को आत्मनिर्भर बनने को किया प्रेरित, कहा युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत

पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव रहे मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक का रविवार दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इसमें पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता प्राचार्य अनिल यादव ने की। कार्यक्रम में सत्र 2021–2024 एवं 2022–2025 के विद्यार्थियों को डिप्लोमा प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

विधायक ओमप्रकाश यादव ने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और तकनीकी कौशल को अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं को आत्मनिर्भर बनने और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक समिति के अध्यक्ष प्रवीण कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके जीवन की नई दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण क्षण है और उन्हें निरंतर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देता है। पूरे कॉलेज परिसर को आकर्षक सजावट, रंगोली और भव्य मंच से सुसज्जित किया गया था, जिसने समारोह को एक उत्सव का रूप दे दिया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया गया, जिसके बाद डिप्लोमा वितरण कार्यक्रम आरंभ हुआ। विद्यार्थियों को जैसे ही उनके प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, परिसर में तालियों की गूंज और उल्लास का वातावरण छा गया। आयोजन की सफलता के पीछे समन्वयक के रूप में यांत्रिक विभाग के विभागाध्यक्ष व परीक्षा शाखा के प्रभारी अधिकारी सुखवीर यादव का विशेष योगदान रहा।

इस दौरान प्रधानाचार्य अनिल यादव ने कहा कि यह उपलब्धि उनके जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों एवं आयोजन समिति के सभी सदस्यों के योगदान की सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक, कर्मचारी, एवम विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे पूरा परिसर उत्सव एवं उल्लास के वातावरण में सराबोर नजर आया। प्रधानाचार्य ने बताया कि दीक्षांत समारोह न केवल विद्यार्थियों के लिए अविस्मरणीय क्षण बनकर उभरा, बल्कि संस्था की प्रतिष्ठा को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला आयोजन साबित हुआ।

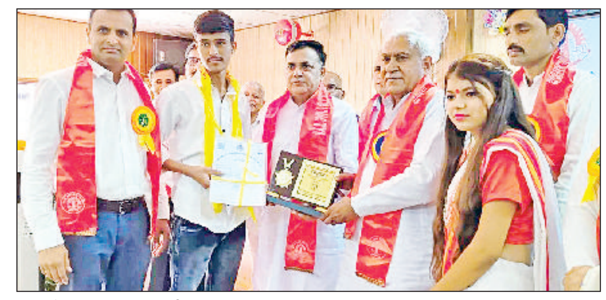

नारनौल। टॉपर विद्यार्थी को सम्मानित करते विधायक ओमप्रकाश यादव।

नारनौल। दीक्षांत समारोह में उपस्थित विद्यार्थी एवं स्टाफ। फोटो : हरिभूमि